भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †3441
सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

ग्रामीण पर्यटन संबंधी राज्य मूल्यांकन और रैंकिंग

†3441. श्री प्रद्युत बोरदोलोई:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति और रूपरेखा में यथा उल्लिखित ग्रामीण पर्यटन संबंधी राज्य मूल्यांकन और रैंकिंग शुरू की है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) सरकार द्वारा असम राज्य में चाय बागानों में पर्यटन हेतु डिजिटल अवसंरचना में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कितनी निधि संवितरित की गई हैं; और

(ग) असम राज्य के चाय बागानों में आयोजित किए गए परिचायक दौरों की संख्या का ब्यौरा क्या है जिसका उल्लेख उक्त कार्यनीति में किया गया है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): ग्रामीण पर्यटन सहित पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के विकास और संवर्धन की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता' नामक केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से असम राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटक-केंद्रित दृष्टिकोण का पालन करते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है। केंद्रीय वित्तीय

सहायता दिशानिर्देशों के अनुसार और राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर दी जा रही है।

हाल ही में असम के काजीरंगा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट के 12वें संस्करण के दौरान पर्यटन मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों, घरेलू क्रेताओं और विक्रेताओं और अन्य पर्यटन हितधारकों के लिए असम के चाय बागानों सहित विभिन्न पर्यटन गंतव्यों के लिए तकनीकी और परिचायक यात्राएं आयोजित कीं।

*****